भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3926
बुधवार, 22 दिसम्बर, 2021को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्री तल में वृद्धि के कारण लोगों का पुनर्वास

3926 श्रीमती अपराजिता सारंगी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने निम्न तटीय क्षेत्रों में उन लोगों के पुनर्वास के लिए कोई योजना बनाई है जिन पर आगामी दशक में समुद्री तल में वृद्धि के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या बढ़ते समुद्री तल को कम करने तथा तटीय क्षरण को रोकने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या समुद्री तल में वृद्धि के कारण भारत का मूल तटीय रेखा का कुछ भाग खत्म हो गया है और यदि हां, तो 1950 से 2021 के बीच तटरेखा में हुए बदलाव को दर्शाने वाला डाटा क्या है;
(घ) क्या बढ़ते समुद्रीस्तर या तटीय क्षरण के कारण ओडिशा की मूल समुद्री तटरेखा का एक भाग विनष्ट हो गया है;
(ङ) यदि हां, तो 2021 की स्थिति में, तटरेखा में हुए बदलाव को दर्शाने वाला डाटा क्या है; और
(च) क्या सरकार की मौसम में बदलाव के कारण विस्थापित हुए या प्रवास हेतु मजबूर हुए लोगों की सहायता और पुनर्वास के लिए कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है 1?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकॉइस) ने भारतीय तट के 10 स्थानों पर समुद्रीतल में बदलाव का आकलन करने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया है। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर), चेन्नई, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक सम्बद्ध कार्यालय है जो 1990 से रिमोट सेंसिंग डेटा और जीआईएस मैपिंग तकनीकों का उपयोग करके तटरेखा के क्षरण की निगरानी कर रहा है। 6,632 किमी लंबी भारतीय तटरेखा 1990 से 2018 तक की मुख्य भूमिका का विश्लेषण किया गया है। ऐसा देखा गया है कि लगभग 32% तटीय रेखा का क्षरण अलग-अलग डिग्री में हुआ है। 27% अभिवृद्धि प्रकृति और शेष 41% स्थिर अवस्था में है। प्रेक्षित परिवर्तनों का कारण समुद्र के स्तर में वृद्धि और मानवजनित गतिविधियों सहित प्राकृतिक प्रक्रियाएं हो सकती हैं। तटरेखा परिवर्तन की स्थिति को राज्यवार दिखाने के लिए तट रेखा को कवर करते हुए 1:25000 के पैमाने पर 526 मानचित्र तैयार किए गए हैं और तट रेखा सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए राज्य सरकारों के साथ साझा किए गए हैं।

(घ)-(च) जी, हां। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र द्वारा 1990 से 2018 तक किए गए तटरेखा परिवर्तन अध्ययनों से संकेत मिलता है कि ओडिशा तट को 26% हिस्से में कटाव हुआ है, जबकि 51% हिस्सा अभिवृद्धि के अधीन है और 23% में समुद्र तट स्थिर है।

*****